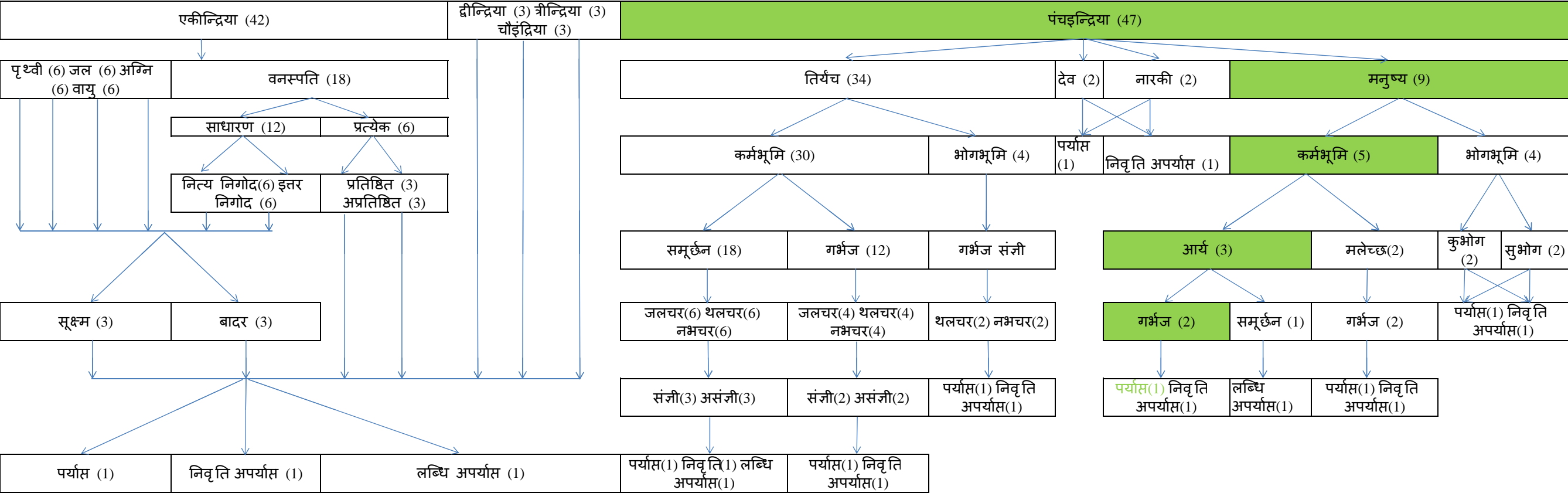


जीव समास (98)



	त्रस	स्थावर	संजी	असंजी	गर्भज	समूर्छन	उपपाद	पर्याप्त	निवृत्ति अपर्याप्त	लब्धि अपर्याप्त	प्रत्येक	साधारण
तिर्यच (85)	43	42	19	66	16	69	0	31	31	23	73	12
देव (2)	2	0	2	0	0	0	2	1	1	0	2	0
नारकी (2)	2	0	2	0	0	0	2	1	1	0	2	0
मनुष्य (9)	9	0	9	0	8	1	0	4	4	1	9	0
	56	42	32	66	24	70	4	37	37	24	86	12

	सूक्ष्म	बादर
तिर्यच (85)	18	67
देव (2)	0	2
नारकी (2)	0	2
मनुष्य (9)	0	9
	18	80

मनुष्य की उत्पत्ति का स्थान (डाई द्वीप)
कर्मभूमि 15 --5 भरत 5 ऐरावत 5 विदेह
1 कर्मभूमि में 6 खण्ड -- 5 मलेच्छ 1 आर्य
आर्यखण्ड 170 -- 5 भरत 5 ऐरावत 5 विदेह * 32 (उपविदेह / नगरी)
मलेच्छ 850 -- 170 * 5
भोगभूमि 30 स्थान -- (जघन्य)(5 हेमवत, 5 हैरण्यवत) (मध्यम)(5 हरि, 5 रम्यक) (उत्तम)(5 उत्तरकुरु, 5 देवकुरु)
कुभोगभूमि 96 स्थान -- 48 द्वीप लवण समुद्र 48 द्वीप कालोधधि समुद्र

हम कहाँ हैं डाई द्वीप --> भरत क्षेत्र --> आर्य खण्ड --> भारत देश
अमूल्य समय व्यर्थ ना गवाये बहुत दुर्लभ हैं ये पर्याय दुबारा प्राप्त होना, उच्च कुल, निरोगी शरीर, जिन धर्म/शरण/दर्शन, सत्संगति